# मानसिक चोट भी साइबर क्राइम

## आईजी व डीएसपी ने विद्यार्थियों को साइबर अपराध एवं अवेयरनेस पर किया संबोधित

इन्दौर।

विश्व में समस्त साइबर अपराध का बिल बनाया जाए तो 338 अरब डॉलर होता है और यदि समय की बर्बादी को गिने तो 224 अरब डॉलर का बिल हाथ में आएगा। इन अपराधों से लड़ने में लगभग 114 अरब डॉलर का खर्च आता है और इसके शिकार 431 अरब लोग प्रतिवर्ष हो रहे हैं। युवाओं को चाहिए कि वे आगे आकर इसके प्रति अवेयर हों और दुर्घटनाओं से बचें। यह कहना है वरूण कपूर, आईजी एंड डायरेक्टर पुलिस रेडियो ट्रेनिंग स्कूल का। उन्होंने संस्था संघवी इनोवेटिव एकेडमी द्वारा आयोजित साइबर अपराध एवं अवेयरनेस व्याख्यान में यह बात कही। उन्होंने बताया कि ड्रग्स की तस्करी विश्व में सबसे बड़ा अपराध माना जाता है, जिसके अंतर्गत विभिन्न प्रकार की नशीली दवाइयां भी आती हैं। उन्होंने कहा कि हर कोई व्यक्ति आज कम्प्यूटर एवं इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के माध्यम से इंटरनेट पर विभिन्न प्रकार की सोशल साइट्स का उपयोग कर रहा है और जाने-अनजाने में कोई न कोई साइबर क्राइम कर बैठता है। इसके प्रति युवाओं को अवेयर होना जरूरी है। इस अवसर पर कॉलेज सचिव अनीता गोयनका, डॉ. भरत छापरवाल व प्रोफेसर्स उपस्थित थे।

### यह रखें सावधानी

डीएसपी गोयनका ने विद्यार्थियों को स्ट्रांग पासवर्ड बनाने के टिप्स दिए व बताया कि इंटरनेट उपयोग करते समय विशेष तौर पर इन बातों का ध्यान रखा जाना जरूरी है।

- अनजान लोगों को अपने सोशल नेटवर्क पर न जोड़ें।
- यदि अनजान लोग जुड़े हैं तो उनको अपनी व्यक्तिगत बातें न बताएं।
- फ्राड ई-मेल की लिंक नहीं खोलें।
- बैंकिंग पासवर्ड, सोशल साइड पासवर्ड कहीं पर भी न लिखें।
- पासवर्ड हमेशा कॉम्पलिकेटिव बनाएं।
- प्रत्येक अकाउंट के लिए अलग-अलग पासवर्ड रखें।